**5.** ध्रुवस्वामिनी का चरित्र-चित्र कीजिए । 15

**अथवा**

ध्रुवस्वामिनी नाटक की समीक्षा कीजिए ।





# शा/सेमे II/136

## शास्त्री ( ऑनर्स ) ( द्वितीय सेमेस्टर ) परीक्षा, 2014-15

### हिन्दी

### VLH-121

*समयः - घंटात्रयम्* *पूर्णाङ्काः - 70*

*( प्रश्नपत्रप्राप्तिसमनन्तरमेव अस्योपरि स्वीयोऽनुक्रमाङ्कः लेख्यः )*

### यूनिट-I

**1.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए । $7\frac{1}{2}\times 2 = 15$

(क) तंत्रीनाद कवित्त रस, सरस राग रति रंग ।

अनबूड़े बूड़े तरे, जे बूड़े सब अंग ।।

(ख) जगती वणिग्वृत्ति है रखती,
उसे चाहती जिससे चखती ।
काम नहीं, परिणाम निरखती,
मुझे यही खलता है ।

(ग) आरती लिए तू किसे ढूँढ़ता है मूरख,
मन्दिरों, राजप्रासादों में, तहखानों में ?
देवता कहीं सड़कों पर गिट्टी तोड़ रहें–
देवता मिलेंगे खेतों में, खलिहानों में । $\frac{1}{2}$

**2.** जयशंकर 'प्रसाद' के काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए । 15

**अथवा**

बिहारी के काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

**3.** 'उर्मिला' **अथवा** 'वरुणा की कछार' कविता के भावपक्ष पर प्रकाश डालिए । 10





## यूनिट-II

**4.** निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

$7 \times 2 = 15$

(क) रोष है, हाँ, मैं रोष से जली जा रही हूँ । इतना बड़ा उपहास–धर्म के नाम पर स्त्री की आज्ञाकारिता की यह पैशाचिक परीक्षा मुझसे बलपूर्वक ली गयी है ।

(ख) कुछ नहीं मैं केवल यही कहना चाहती हूँ कि पुरुषों ने स्त्रियों को अपनी पशु–सम्पत्ति समझकर उन पर अत्याचार करने का जो अभ्यास बना लिया है, वह मेरे साथ नहीं चल सकता । यदि तुम मेरी रक्षा नहीं कर सकते, अपने कुल की मर्यादा, नारी का गौरव नहीं बचा सकते, तो मुझे बेच भी नहीं सकते हो ।

(ग) नहीं, मैं नहीं जाऊँगा । प्राणि–मात्र के अन्त:स्थल में जाग्रत रहने वाले महान् विचारक धर्म की आज्ञा, मैं न टाल सकूँगा । अभी जो प्रश्न अपनी गम्भीरता में भीषण होकर आप लोगों को विचुलित कर रहा है, मैं ही उसका उत्तर देने का अधिकारी हूँ । विवाह का धर्मशास्त्र से घनिष्ठ सम्बन्ध है ।